मक्षिका व्रणमिच्छन्ति धनमिच्छन्ति पार्थिवाः।
नीचा कलहमिच्छन्ति शान्तिमिच्छन्ति साधवः।।
मक्खियां घावों को ढूंढती हैं, जनसाधारण धन की इच्छा करते हैं, दुष्ट लोग लड़ाई-झगड़े की ताक में रहते हैं और सज्जन व्यक्ति शांति और सद्भाव की कामना करते हैं।

सुप्रभात

अमर उजाला mycity लखनऊ

चैत्र कृष्ण पक्ष एकादशी, विक्रम सम्वत 2074

मंगलवार • 13.03.2018

Lucknow.amarujala.com

08 मेरो खो गयो बाजूबंद रसिया होरी में ...

सौर ऊर्जा से रोशन होंगे जंक्शन समेत छह स्टेशन

केजीएमयू में लगा सोलर प्लांट।

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऊर्जा की जरूरतों को सौर ऊर्जा से पूरा करने के लिए नया मिशन शुरू कर चुके हैं। उनका कहना है कि हमें अपने अक्षय ऊर्जा के स्रोत का उपयोग करना चाहिए। हालांकि, लखनऊ पहले ही इसको लेकर जागरुक दिखता है। घरेलू उपयोग से लेकर सरकारी विभागों तक सौर ऊर्जा का उपयोग बखूबी किया जा रहा है। लोग अब अपने घरों की जरूरत भी सौर ऊर्जा से पूरा करने के लिए आगे आ रहे हैं। पेश है एक रिपोर्ट-

पांच करोड़ से रोशन होंगे रेलवे स्टेशन

बिजली की खपत कम करने के लिए लखनऊ जंक्शन सहित पूर्वोत्तर रेलवे के छह स्टेशनों पर सौर ऊर्जा पैनल लगाए जाएंगे। इसके लिए पांच करोड़ रुपये का खर्च आएगा, जिसमें से टोकन के रूप में एक करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल का ए-1 श्रेणी के रेलवे स्टेशन लखनऊ जंक्शन पर सोलर पैनल लगाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। दरअसल, रेलवे स्टेशन को मॉडल के तौर पर विकसित किया जाना है। लिहाजा ग्रीन इनीशिएटिव ड्राइव के तहत सोलर पैनलों को लगाया जाएगा। इसमें बिजली केपारंपरिक तरीकों की जगह सोलर लाइटों को इस्तेमाल किया जा रहा है। इज्जतनगर डिवीजन में डीआरएम, बरेली सिटी स्टेशन व रेलवे वर्कशॉप में सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जिससे 30 प्रतिशत तक बिजली की खपत कम हो रही है और रेलवे को 15 लाख रुपये तक की बचत हो रही है। इसके लिए भुवनेश्वर की कंपनी से 25 साल का कॉन्ट्रैक्ट किया गया है। इतना ही नहीं पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा 85 स्टेशनों पर 2,139 एलईडी ट्यूब्स व 1,066 बल्ब लगाए जा चुकेहैं। जबकि भारतीय रेलवे देशभर में सोलर मिशन के तहत पहले फेज में 800 डी व ई-श्रेणी के स्टेशनों पर सौर ऊर्जा पैनल लगाएगा। इसमें उत्तर व पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडलों के स्टेशन भी शामिल हैं। पहले चरण में लखनऊ जंक्शन सहित छह रेलवे स्टेशनों के रनिंग रूम में सोलर पैनल लगाए जाने के लिए एक करोड़ का टोकन अमाउंट जारी किया गया है। पूरे प्रोजेक्ट पर पांच करोड़ खर्च होंगे।

एक हजार क्रॉसिंगों पर लगेंगे पैनल : दूसरी ओर उत्तर रेलवे की ओर से ड्राइव के तहत एक हजार समपार फाटकों पर सोलर पैनल लगाने की तैयारी की जा रही है, जिसके लिए दो करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। जबकि रेलवे बजट केअतिरिक्त सौर ऊर्जा पर 62.50 करोड़ रुपये का निवेश करेगा, जिससे ग्रीन इनीशिएटिव ड्राइव को तेजी मिलनी तय है।

सोलर पॉवर से चलता कलेक्ट्रेट कार्यालय

राजधानी का जिला प्रशासन कार्यालय कलेक्ट्रेट प्रदेश में पहला सोलर एनर्जी युक्त कलेक्ट्रेट भवन है। वर्ष 2016 में तत्कालीन डीएम राजशेखर के प्रयास से कलेक्ट्रेट परिसर में एक करोड़ से संचालित 135 केवी सोलर एनर्जी पैनल लगाए गए। इससे कलेक्ट्रेट में हर साल 20 लाख रुपये की बचत होगी। पांच साल बाद सोलर एनर्जी प्लांट पूरी तरह लागत मुक्त हो जाएगा। जिला प्रशासन अब सोलर पैनल से तैयार होने वाली अतिरिक्त बिजली को विद्युत विभाग को बेचने की कार्ययोजना बना रहा है।

घर की जरूरत पूरी और लेसा को भी देते बिजली

डॉ. भरतराज सिंह अपने घर में लगा सोलर प्लांट दिखाते हुए।

सौर ऊर्जा का उपयोग कर बिजली के मोटे बिल की जगह वैज्ञानिक और एसएमएस कॉलेज के निदेशक तकनीकी डॉ. भरतराज सिंह अब खुद लेसा को बिजली देते हैं। यह कारनामा वह अपने घर की छत पर लगाए सोलर प्लांट की मदद से कर रहे हैं। उनका कहना है कि उनका बिजली का बिल अब लगभग शून्य ही रहता है। दो साल पहले खुद सिंह ने गोमतीनगर विरामखंड-5 में अपने घर की छत पर पांच किलोवाट का सौर ऊर्जा प्लांट लगाया था। इस प्लांट से पैदा होने वाली बिजली के उपयोग से बचने पर उन्होंने इसे विद्युत निगम के ग्रिड में लेने के लिए अधिकारियों से बात की। नया मीटर लगाने से लेकर उनके बिल को सुधारने जैसी दिक्कतों से जूझने के बाद अब वह एक सिस्टम विकसित कराने में सफल रहे। डॉ. सिंह का दावा है कि मैंने अपने घर की 100 प्रतिशत जरूरत सौर ऊर्जा से पूरी कर ली। अब मेरा महीने का 3,000 रुपये तक आने वाला बिल न्यूनतम किराए पर आ गया है। जितनी बिजली हम खर्च करते हैं। उससे अधिक ग्रिड को देकर उसका क्रेडिट लेकर उसे संतुलित कर लेते हैं।

700 लोगों को किया प्रेरित : डॉ. सिंह ने अपने घर की छत पर मॉडल सफल होने के बाद अब तक करीब 700 लोगों को घरेलू सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रेरित किया है। वह बताते हैं कि अब तो सोलर प्लांट लगाना काफी सस्ता हो गया है। केंद्र सरकार की 30 प्रतिशत सब्सिडी के अलावा 30,000 रुपये प्रदेश सरकार भी दे रही है। इससे प्रति किलोवाट प्लांट का खर्च केवल 52,000 रुपये रह गया है जोकि दो साल पहले तक एक लाख रुपये के करीब होता था।

दो रुपये प्रति यूनिट सोलर बिजली

राजधानी में लगभग 80 सोलर पैनल से बिजली का उत्पादन हो रहा है जिसमें सर्वाधिक गोमतीनगर एवं गोमतीनगर विस्तार इलाके में सोलर पैनल स्थापित किए गये हैं। इससे बनने वाली बिजली का रेट दो रुपये प्रति यूनिट है। लेसा के सर्किल-दो के अधीक्षण अभियंता एवं नोडल अधिकारी सीपी यादव ने बताया कि जो उपभोक्ता सोलर पैनल से बिजली का उत्पादन करके लेसा को मुहैया कराते हैं, उनके बिल समायोजन के आधार पर बनाया जाता है। यानी उपभोक्ता लेसा की कितनी बिजली उपभोग करता और कितनी यूनिट लेसा को देता की गणना करने के बाद बिल बनता। वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन 31 मार्च को उपभोक्ता की लेसा के पास जितनी बिजली बचती उसका दो रुपये के रेट से गणना करके बिल में क्रेडिट कर दिया जाता है।

नहीं शुरू हुआ संचालन

क्लीन स्कूल ग्रीन स्कूल योजना के अंतर्गत सात राजकीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास का निर्माण कराया गया। योजना के अंतर्गत राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज, हुसैनाबाद, निशातगंज, जीजीआईसी शाहमीना रोड, जीजीआईसी इंदिरा नगर, जीजीआईसी गोमती नगर और जीजीआईसी सिंगारनगर में सोलर पैनल भी लगाए जाने हैं। विद्युत आपूर्ति इन्हीं पैनल के से की जानी है लेकिन दो साल बीत गए अभी तक शुरुआत नहीं हो पाई है। कनेक्शन तक नहीं दिया गया है। हालत यह है कि रखरखाव के अभाव में अब ये खराब भी होने लगे हैं। जिले के किसी भी स्कूल या शिक्षा कार्यालय में सोलर पैनल की व्यवस्था नहीं है।